

# जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

उमंक पर व्याकरण कृत्यान्तर्गत वीक्षणी  
निर्माणप्रयोग के लाभ हें से विषय छाड़े ज  
ले खेती जाने वालीकरणी ने लाभ हो।  
उपर्युक्ता विषय पर नई पुस्तक में इन  
व्याकरण कृति से जो प्रभा अधिक एवं विस्तृ  
अधिक विषय लाने विषय कृषिया हो।



पत्र : ग्रन्थालय  
दृष्टिकोण : ०६९१-(०५१) २४४२००१  
(फोन)  
२४४२४५२ (फैक्स)  
फैक्स : ०६९१-०२५१-२३४१७०८  
E-mail : jureg\_gwal@rediffmail.com  
Website : <http://www.jiwaji.edu/>

प्रेषक :  
कुलसाहित्य,  
जीवाजी विश्वविद्यालय  
ग्वालियर

क्रमांक : दृष्टिकोण/२०१२/५८७९

दिनांक : १३/१२/१२

## // अधिसूचना //

विश्वविद्यालय अधिनियम १९७३ की धारा २६(i)(v) वा २४(xii) के अन्तर्गत कार्यपालिका की  
छठपुरा (एवलगढ़), झुंडेला को दृष्टि २०१२-१३ के लिये की एह-श्री. दिलीप चर्च (आया. प्राप्तिक),  
भाष्यत, वनस्पति, उष्ण कम्ब्युटर साइंस), श्री.ए. दिलीप चर्च, (आया. रामाजानब, दिलीप साहित्य, अंग्रेजी  
आठाहर इंटरव्हाइट, एवं उज्जीविशाला), श्री.कॉम. दिलीप चर्च, श्री.सी.ए. दिलीप चर्च पाठ्यक्रमके लिये  
अस्थाहर लक्ष्यहाता लिखन लार्ती के लाभ प्रदान की जाती है।

### शर्तों एवं प्रतीक्षा :-

- प्रत्येक विषय में कुलतक्के कृत २,००,०००/- की रकम दी जायें।
- अन्त-छात्राओं के लाभलाभ और अकेले व्यवहार जाएँ।
- २८(१) में दीशी विवृतिकां इसी तरक में दी जाएँ।
- छात्रों ने ऑल मैदान उपलब्ध करवाया जायें।

आदेशानुसार  
  
कुलसाहित्य

परि,

- प्राधार्व, विवरणित नहाविद्यालय, छुट्टपुरा (एवलगढ़), ५१५२  
२ आजुका, नवाप्रदेश शासन, उच्च विद्या विभाग, लखपुरा जन्म, भोपाल।
- दीर्घीन अतिरिक्त एवलगढ़, नवाप्रदेश शासन, उच्च विद्या विभाग, वरालीय-एवल लंभाग, गोती  
महल परिसर, ग्वालियर।
- उप-कुलशिवित (प्रीमिय-नोपनीय) जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर की ओर तृतीय एवं  
आवश्यक जारीकारी है।

  
अठायक कुलसाहित्य (दृष्टिकोण)